सामाजिक विज्ञान में शिक्षण अधिगम विधियाँ

व्याख्यान विधि: यह विधि वरिष्ठ छात्रों के साथ बड़ी कक्षाओं के लिए सबसे उपयुक्त है। छात्र निष्क्रिय श्रोता बने रहें; वे शिक्षण और सीखने की द्विध्रुवी प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनने में विफल रहते हैं। लेक्चर विधि की सकारात्मक विशेषताएं यह है कि इसे तुरंत दोहराया और संशोधित किया जा सकता है और यह छात्रों को सुनने के द्वारा सीखने में अच्छा प्रशिक्षण और अनुभव प्रदान करता है। यह छात्रों के समय और ऊर्जा को भी बचाता है और उन्हें उत्तेजित करने का एक अच्छा साधन है.

चर्चा विधि: चर्चा का मुख्य उद्देश्य "समूह की सोच" और "सामूहिक निर्णय" की प्रक्रिया में व्यक्तियों को सीखना और शिक्षित करना है। चर्चा दूसरों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण साधन है और "अक्सर परिणाम और राय और संयुक्त कार्रवाई में तालमेल होता है"। समझौता एक चर्चा का घोषित उद्देश्य है। यह हमेशा एक अनुशासित माहौल में आयोजित और चलाया जाता है.

एक चर्चा के आवश्यक अंग हैं:

i. एक लीडर खुद शिक्षक होता है। लेकिन शिक्षक को पूरे दृश्य पर हावी नहीं होना चाहिए; जब छात्रों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, तो उन्हें शीघ्र मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना चाहिए।
ii. समूह वह छात्र है जो आम तौर पर सभी प्रकार के स्वभाव और मन की किस्मों से बना होता है। शिक्षक का कर्तव्य प्रत्येक छात्र को चर्चा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है.
iii. विषयवस्तु चर्चा के दौरान हस्तांतरित किए जाने वाले ज्ञान का मुख्य भाग है। इसमें नक्शे, चार्ट, आरेख आदि भी शामिल होने चाहिए।

वाद-विवाद विधि: बहस विधि का उपयोग व्यापक रूप से लोगों के एक बड़े समूह को राजनीति विज्ञान के कुछ विषयों को पढ़ाने के लिए किया जाता है। शिक्षक अक्सर ट्यूटोरियल / सेमिनार सत्रों के दौरान छात्रों के हितों, भागीदारी और भागीदारी को प्रभावी ढंग से बढ़ाने के लिए बहस का उपयोग करते हैं। जब एक शिक्षक बहस को सीखने के लिए एक ढांचे के रूप में उपयोग करता है, तो वह छात्रों से इस विषय पर गहन शोध करने, समर्थन साक्ष्य जुटाने, सहयोगी शिक्षण में संलग्न होने, प्रतिनिधि कार्य करने, संचार कौशल में सुधार करने और नेतृत्व विकसित करने की उम्मीद करता है।

संगोष्ठी विधि: संगोष्ठी विधि शिक्षण का सबसे आधुनिक और उन्नत तरीका है। यह एक निर्देशात्मक तकनीक है क्योंकि इसमें एक समूह के लिए एक विशेष विषय पर आपस में निर्देशित बातचीत के लिए एक स्थिति उत्पन्न करना शामिल है। इस विधि को संज्ञानात्मक और भावात्मक डोमेन के उच्च उद्देश्यों को महसूस करने के लिए नियोजित किया गया है.

शैक्षिक पैनल चर्चा:

- तथ्यात्मक जानकारी और वैचारिक ज्ञान प्रदान करते हैं।
- सिद्धांतों और सिद्धांतों के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- कुछ समस्याओं के समाधान का एक सेट प्रदान करें.

भारत का संविधान: भारत का संविधान एक राजनीतिक विज्ञान कक्षा में एक महत्वपूर्ण शिक्षण-शिक्षण संसाधन साबित हो सकता है। राजनीति विज्ञान के कई विषयों को पढ़ाने के दौरान, छात्रों को यह बताना महत्वपूर्ण है कि उन महत्वपूर्ण विषयों के बारे में हमारे संविधान निर्माताओं का क्या कहना है.

एटलस, मैप और ग्लोब: इनका उपयोग राज्यों, महाद्वीपों और देशों की सीमाओं के विवरण को समझाने में किया जाता है। ये क्षेत्रीय संगठनों की क्षेत्रीय स्थितियों, स्थानों और महत्व को समझाने में सहायक हैं.

प्रश्न करने की विधि: एक प्रश्न कोई भी वाक्य है जिसमें एक पूछताछ फार्म या कार्य है। कक्षा की सेटिंग में, शिक्षक प्रश्नों को निर्देशात्मक संकेत या उत्तेजनाओं के रूप में परिभाषित किया जाता है जो छात्रों को सीखी जाने वाली सामग्री और उन्हें क्या करना है और उनके साथ क्या करना है, इसके लिए निर्देश देते हैं.

प्रदर्शन विधि: प्रदर्शन एक ऐसी तकनीक है जिसके माध्यम से शिक्षक छात्रों को विभिन्न भौगोलिक घटनाओं और प्रक्रियाओं को दिखाता है ताकि वे ठोस अनुभव कर सकें और अवधारणा को ठीक से समझ सकें। यह दो आयामी या तीन आयामी मॉडल (स्थिर या कार्यात्मक), दृश्य चार्ट, फ्लैश कार्ड, बुलेटिन बोर्ड, पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों, मल्टीमीडिया प्रस्तुतियों, फिल्मों, वृत्तचित्रों, आदि की सहायता से किया जाता है.

सहकर्मी अधिगम की विधि: सहकर्मी सीखने में छात्रों को अपने स्वयं के अर्थ और समझ का निर्माण करना है कि उन्हें क्या सीखना है। अनिवार्य रूप से, छात्र मुद्दों को हल करने के लिए जानकारी एकत्र करने, विश्लेषण करने, मूल्यांकन करने और आवेदन करने में शामिल हैं। छात्र रचनात्मक रूप से, भावनात्मक रूप से रचनात्मक बातचीत में संलग्न होते हैं और एक-दूसरे के दृष्टिकोण को साझा करने और पूछताछ करने और आम सहमति तक पहुंचने से सीखते हैं.

सिमुलेशन और रोल प्ले विधि: वे सबसे अच्छा काम करते हैं जब वे संक्षिप्त होते हैं और तुरंत चर्चा की जाती है। छात्रों को एक स्थिति में खुद की कल्पना करने या निर्धारित भूमिका निभाने के लिए कहा जाना चाहिए। भूमिका निभाने और अनुकरण के निम्नलिखित फायदे हैं

- विश्लेषण और संश्लेषण की शक्तियाँ
- एक रोमांचक स्थिति से आगे सोचने की क्षमता।
- विरोधियों के संभावित कार्यों की आशंका।
- विकल्पों के परिणामों का पूर्वाभास करना.

क्षेत्र यात्राएं:

स्थानीय यात्राएँ: स्थानीय यात्राएँ प्राथमिक और उच्च प्राथमिक चरणों के छात्रों के लिए मूल्यवान होंगी। छात्रों को पहले फसलों की जानकारी प्राप्त करने, विभिन्न प्रकार के जानवरों, पाए जाने वाले स्थानीय बाजारों या कारखानों, नदियों या झीलों के बारे में जानकारी के लिए अपने परिवेश का पता लगाने और उनका अध्ययन करने के लिए नेतृत्व किया जाना चाहिए.

सामुदायिक यात्राएं: इन यात्राओं में अधिक समय लगता है, स्थानीय यात्राओं में पूरे दिन या दो दिन लग सकते हैं और छात्रों द्वारा अधिक व्यापक तैयारी की जा सकती है। सामुदायिक यात्राओं में महत्वपूर्ण उद्योग, प्राकृतिक संसाधन, खनिज संसाधन, संग्रहालय, चिड़ियाघर, सिंचाई परियोजनाएँ और सिंचाई के अन्य साधन शामिल हो सकते हैं जो संस्था से बहुत दूर नहीं हैं।